अनुसूचित जाति उप–योजना के अन्तर्गत दो कृंतक प्रबंधन प्रशिक्षण एवं प्रक्षेत्र भ्रमण

भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, प्रादेशिक अनुसंधान स्थात्र, बीकानेर द्वारा अनुसूचित जाति उप–योजना के अन्तर्गत दो कृंतक प्रबंधन प्रशिक्षण एवं प्रक्षेत्र भ्रमण का आयोजन किया गया। कृंतकों (चूहों) द्वारा फसलों को होने वाले नुकसान से बचाने के विषय पर दिनांक 05.09.2024 व 06.09.2024 को कृषक प्रशिक्षण को आयोजित किया गया। प्रथम कृंतक प्रबंधन प्रशिक्षण एवं प्रक्षेत्र भ्रमण में गावं सालासर एवम् नाईयों की बस्ती के 51 कृषकों (43 पुरूष कृषक व 08 महिला कृषक) ने भाग लिया एवं द्वितीय कृंतक प्रबंधन प्रशिक्षण एवं प्रक्षेत्र भ्रमण में गावं चानी, गोलरी एवम् इन्दों के बाला के 50 कृषकों (38 पुरूष कृषक व 12 महिला कृषक) ने भाग लिया। इस अवसर पर डां. विपिन कुमार चौधरी, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी, अखिल भारतीय नेटवर्क परियोजना– कशेरूकी नाशीजीव प्रबंधन, काजरी, जोधपुर ने चूहों के बारें में अवगत कराया तथा चूहां प्रबधन के बारें में विभिन्न तकनीकियों के बारें में कृषकों को बताया गया। डां. महेश कुमार प्रधान वैज्ञानिक एवं अनुसूचित जाति उप–योजना के नोडल अधिकारी द्वारा अनुसूचित जाति उप–योजना की जानकारी एवं महत्व के बारें में कृषकों को जानकारी दी। इस प्रादेशिक अनुसंधान स्थात्र के अध्यक्ष डां. नवरतन पंवार ने एकत्रित कृषि प्रणाली प्रबंधन के बारें में कृषकों को अवगत कराया। डां. गोपाल लाल बागड़ी, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण समन्वयक ने कृषकों की आय बढानें में स्वंय सहायता समूह के महत्व के बारें में बताया गया। संस्थान के अन्य वैज्ञानिकों डॉ. मोती लाल सोनी, डॉ. विजय सिंह राठौर, डॉ. बीरबल, डॉ. नारायण सिंह नाथावत एवं डां. रवीन्द्र सिंह शेखावत ने सभी कृषकों को अनुसंधान क्षेत्र का भ्रमण करवा कर विभिन्न विषयों पर उन्नत तकनीकियों की जानकारी दी। किसानों को कृंतकों के प्रबंधन के लिए जहरीला चारा तैयार करने का जींवत प्रदर्शन भी दिया गया। दोनों कृंतक प्रबंधन प्रशिक्षण एवं प्रक्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम में कुल 101 महिला एवं पुरूष कृषकों ने भाग लिया तथा उन्नत तकनीकियों की जानकारी से लाभावन्ति हुए। दोनों कृंतक प्रबंधन प्रशिक्षण एवं प्रक्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी 101 महिला एवं पुरूष कृषकों को 25000 नेपीयर धास कटींग, 95 स्केटीयर एवं 6 मेन्यूवल हेण्ड वीडर का भी वितरण किया गया।